

DPN 6217

Title : स्वस्थानी SVASTHĀNĪ

Run. No. 6908

Cat. No.

Micro. No.

Subject

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.-New. / Maith.-New. / New.-Nep. /

Size in cms. 21.7 x 7.5

Folios 16

Lines (in a page) 5/6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

रत्नमनी वज्राचार्य / शिवरत्नस्थापित

Date: NS / SS / VS / KS 758, 790

Ruler / place

Ratnamani Vajracharya / Shivaratna
Pulachowk, Sthapit

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
ॐ नमः स्वस्थाने जलेश्वर्यै ॥ गङ्गापति, शिनाप भ्रातृभ्यः, कुमाल भ्रातृभ्यः ॥ १२५८
आदिपं समस्त देवताभ्यः पार्वतीभ्यः महादेव्याय नमः ॥ १२५९ ॥ श्री जलेश्वर देवाधिदेव

६७८९० " ओं धर्म दिन "

समाप्ति / Colophon
Post Colophon

एव वाचनं नृणां कर्म ३.३.३६ पात्रात् उमा महेश्वर कणाक " केनादास भागि माड.
चोनिव ॥ ७ ॥ ... ॥ शुभम्भुय सर्वदा ॥ सिक्का ७५८ सिक्का ७५८ कोड, नृणां
चोनिव विमा, एव सिक्का ७५८ पात्रात् उमा महेश्वर कणाक
श्री लामनि (नी) न चोनिव विमा, कृष्णपुगी सुष्णपुगी आचायात
डाया दिनि ००० ॥ सिक्का ७५८ जेन कृष्ण डायादी भुणी नडात
मुा जोग, दिपुन तासि सनिचा का ॥ एव कृष्ण सिक्का ७५८
उा शुभ ॥ ॥

स्वस्का नी

ॐ नमः सु... मया वनया विवि वि वन थ (थं रुना ॥ देव यागं प
नपतियाय... नपतिया देवन रुमसग म सया देवन रुम रुसव
नन डं का व वाय ॥ रुस सिधन पा व व सीग आरुग न रुन ग ॥ ॐ ॥

ॐ नमः सुस्तानपत्रमस्वये ॥ नायायनत्वे विनायक वा उल्ले कुमाल
रुना उल्ले थन आदिपं समस्त देव सरास पार्वतीस्य महादेव या के
ठका रापत्रमवल देवाधिदेव कुलधर ठान धर्म दन काका ध
र्म देव धर्क महादेव सुकठका (थस महादेवस्य आह्लादनी राक्षि
पार्वती कुन धर्म दन कुना देव धर्क आम्भ वियाव पार्वतीस्य वा द
वा दन म स्का ल ग्रादा व ठन (थं व लस महादेवस्य आह्ला विल

हा कि पावनी, स्वस्मानपत्रमध्वनी, वगुदव, यास्य निशिनवगजान,
 स्युनिशिनधर्मदत्त, शतकि, यापामध्वकाय, यापाञ्जलि, यत्र
 विये, शतकिनधमपाननयाय, नारिसजागनायाय ॥ गथिरुपत्रम
 ध्वनीखलसा, पाखले, ययिवव, खरु, रुलि, अरुय, वरु
 यकावाहा ० शिर्हगयावविष्ठाक, थथिरुमृत्ति, असहिगन, धर्म
 ददीव, मणुलखासवायक, थधर्मकदनपसनरसन, कनधध

म्मेदकाधर्क, महादवस्यग्ग्याविल ॥ हुनीपावनीस्य, महादवस्य
 सक, दिन, सापत्रमध्वनसविलुनयाठ, पूननयानयाठ, कठने,
 ऊनठने, अग्निवाकाश्या, धर्कठडा ॥ थस्वस्मानपत्रमध्वनीवग, स
 नानेथपनयाग, सनानदन, ऊर्कठनेधर्क, पावनीस्य, महादवस्य
 थ, यिनाया, महादवस्यकीनी, द्रवसकेलासस, दवकन्यामठा
 व, थधर्मदन, स्वर्गसुशकासव, मण्यलाकसमस्यव, धर्क, महाद

वस्यै आग्य विलहाव ॥ पार्वतीस्य ॥ आसवसूषित्वेकायाव ॥ मयला
कस ॥ कनकलरुल ॥ थनगीगमिलस ॥ वक्रयूनिनगलस ॥ शिवरुक
वाक्रभ ॥ संगीनामवक्रुणी ॥ थपनिनक्रुणीपूख ॥ निस्कानयाद
वाह ॥ महाधनायभावाभदा ॥ निमिलिन ॥ महाइश्वरयादवाहावलस
रुडदिसाकृष्णवयाव ॥ धिरुहावाव ॥ वाकलहायाव ॥ नउहाव ॥ गा
थ ॥ थवेल्स ॥ थसखिन ॥ कन्याकृष्णायलय ॥ (थवेल्स ॥ थनि

सकानवाक्रुणपनिस्पखेहाव ॥ कायाव ॥ क्कावनानाव ॥ वलवल ॥ की
याक्रमयाहाव ॥ गममाशुधक ॥ नामकृयावगन ॥ थवेल्स ॥ माहादेव
स्यै ॥ रुगकवलिरुहान ॥ रिक्काकालवनहास्यै ॥ थवेल्स ॥ मामन ॥ रि
क्काविवधक ॥ गममाशुक्काल ॥ गममाशन ॥ रिक्कामविस्पै ॥ खानसक्र
गावधानै ॥ थवलिरिक्काविययादवलहास्यै ॥ रिक्कामकास्यै ॥ का
धन ॥ माहादेवस्यैथालै ॥ अनरिक्काकालवहा ॥ अवरुनायाहावाक्रा

वयदं दवयूषनायमानधर्कं धूपविस्मिताभवविद्यार्गं ध्वग्वमाशु
खयाव॥ मामर्कने॥ धनलिंगवधियाव॥ ववने॥ जिलिमात्ययादावनदा
स्य॥ मल्लव॥ कुरुनस॥ धूगाहान॥ धूणि॥ खास॥ आ०॥ सियू॥ थदु॥ थ
थिद॥ वाक्रगस्य॥ कत्याखनधर्कवव॥ दवयोधूपलमदाव॥ ध्ववा
क्रदाव॥ विवाहायाग॥ धयालिव॥ ववूसिदाव॥ मामनसीवन॥ धया
लिव॥ ग्वमाशुयनिनक्रसीयूरुष॥ अगिर॥ खस्यसर्थाद॥ धनग्वमाशुया

गविलसदयाव॥ ध्ववेलस॥ आथवाक्रगन॥ कुरुनषनाद्यस्वन्य॥ चाला
द्यध्वन॥ वयमदा॥ लकिनऊवयधर्क॥ रिशालेवदशना॥ धनलि
पुनप्रलिहामवयाव॥ नगलवासिलाकन॥ वेलवेलसकीया॥ यादा
वगेय॥ वेलकालशुयाव॥ कायवूल॥ धन॥ नवनाऊधर्कनामक्र॥ याव
गल॥ धनलिवेलवेलसकीया॥ यादाव॥ वि॥ वाहासहिगतयादावन
य॥ धननवनाऊन॥ मामयाकददा॥ लकिमाशु॥ ऊववूसुशुयव॥

ग्यनवन धर्कं ठाव॥ मामन धाली॥ कुंगरुस वलस॥ यनद ठाठारि
काखन धर्कं वद॥ लिहामव॥ सिर्कना॥ म्वाकना॥ मस्या धर्कं॥ मामन
कनं ठाव॥ मामी॥ कलार्गी॥ वाधया ठाव॥ वव्या डदसनान॥ नवनाउन
दशाऊनवने॥ थयथयस ठाव॥ वव सिक्कस्याव॥ खायाव॥ गंग
वठाव॥ वव्यागछाधया ठाव॥ मालकायाग॥ कुं सइ४खरुयाव॥

नवनाऊयाकनाग॥ थवकुवन॥ ग्वमाशुयाका॥ गरुयाव॥ नाऊयाया
व॥ दशगालगाव॥ खासिस॥ अलदिमाकास॥ कुं ग्वयाव॥ कयास
झायाठाव॥ नयावयान॥ थवलस॥ स्वगनेकास्यरुया॥ आसव्यापि
स्येठवाल॥ याकंठन॥ सइ४खि॥ सइ४पि॥ धर्कंठन॥ ग्वमाशुथिंठ
इ४खिसुर्नमदाधर्कं॥ सांठवालनकन॥ ग्वमाशुधर्कं सलगाव॥ आ

सुवर्गद्वितीयेन॥ धनं गवमाशुन॥ नभास्का लयादाव॥ इवादाव॥ ध
मर्खद्वेन॥ योसपुनिसिन॥ वगजान॥ सपुनिसिनधम्मदने॥ हागच्छि
यायामश्वकाय॥ हागच्छिनधमपालनयाय॥ यायानअर्थिगविय॥
दगसापुषविय॥ मदगसाकायविय॥ कायमदगसा॥ त्वावकाय
विय॥ त्वावकायमदगसा॥ खासथायके॥ धके॥ पपिस्सि॥ कीदाव

गममाशुलसायाव॥ क्कानअग्निथयायधकेरानपाव॥ कठुक्कुक
जादाव॥ स्वालदागवनदास्य॥ गवमाशुनखेद्दायावचान॥ श्ववलस॥
पपिस्सि॥ यमाशुअग्निइ॥ पिस्ययाव॥ कायगिक्कस॥ कवडिगा
थाव॥ स्वर्गद्विने॥ धनं गवमाशुन॥ पपिनामदासायाव॥ खास्यि॥ खास्यि
वपुगजालदास्यि॥ कपनिचनावसुवदास्यि॥ धनखदाव॥ आनन्दन

धनकायाव॥ अविष्म नमस्का लयाग॥ उपदष्टा विया॥ थं॥ वेलस॥ वगडा
न॥ कायवाहान॥ वाकान॥ सेयुनिसिक्क धर्मदन॥ अद्यविल॥ धर्म
धडाव॥ काययागं अथिगया पाव॥ खानवगयाव॥ थमयालनडा
व॥ नागीसजागनायादंवार॥ धर्मयो रुलन॥ कायनेन॥ मामसत्रगा
व॥ वल॥ ग्यमाशन॥ लस्मायाव॥ लेखजा डाव॥ कायगुमियायकाव
इवाठरुन॥ धनकायनमववृ सिकखेकंठाव॥ मामयाकंठन॥ नसा

कखानयानव॥ ध्यासयानव॥ थनिकुंऊक॥ कुधर्कनेन॥ कनकल्यान
वाकान॥ ऊनखस्मानपनमध्वनीधर्मदडाधर्क॥ कडाव॥ थमयालनया
डावैलेठ॥ नकल॥ सनिकुंऊक गंगमसभालकूयकाव॥ अगिधिकायया
गविल॥ धनलि॥ लंयासवाडाव॥ काययोसियाकंवाल॥ धदडीया
नाजामदयाव॥ नाजादयकंधर्क॥ धदससहसिन॥ मालकले॥ धन

वनाजखेखडाव॥ लीघलसयाठलेषनेलयाव॥ किसिनथवक्रसयंछा
याव॥ सिधनयाग॥ याडाव॥ कृणनकायकाव॥ इवालेस॥ लेखसी॥
नक्र॥ मामकायने॥ नाजघनयेडाव॥ सिंहासनसगसी॥ नाजायाग॥
थनलि॥ नवनाजन॥ मामयाकंदन॥ अयिहिपायाकनाग॥ गीनवन
धर्कंदडाव॥ मामन॥ थवकुवनधर्ककन॥ थनइल्याकायाव॥ का

यकलकाल॥ इल्यान॥ लेसदडाव॥ वात्रमिसानक्रीनायनाडावमिसा
गाकंदन॥ ग्वमाशुयायिलिऊ॥ नवनाजयाकनागअयडायाधर्कया
याव॥ इलिस॥ थंडाव॥ रुन॥ थनकुथयस॥ खानवागमकखडाव॥
इलिदियाव॥ खाथहासीखन॥ अयनायनिसन॥ धर्मादंडाव॥ अंध
खडाव॥ लसगासी॥ खानजाडाववनहास्य॥ वक्रुदिन॥ गमनहाग॥



ॐ स्वास्ति नरुयक गयाव ॥ कृपनिगवपापिवर्क ॥ धर्मयास्वानसंरुग
कायवियाववागं ॥ थनइ निसथदाव ॥ स्वाकुस्येवदावेलस ॥ गवसव
ननहायाव ॥ वागमहाव ॥ स्वासुलाथूथशयाव ॥ यत्रपथान ॥ इनि
यापनिशुक्लाधर्मयादुलनस्वर्गवर्न ॥ थनपापिणीपत्रयाव ॥ स्वाम
झास्येवावदाव ॥ नाजासव्वचनयादाव ॥ सरासदिननवदाव ॥

नाजास्येज्जयादाव ॥ स्वाहावर्कगाथाव ॥ नाजास्विसिहाविष्णाना ॥ थ
वनस ॥ केगवगन ॥ हावाय ॥ जानसथपापिणीदयाववला ॥ स्वादठार्थनि
हागय ॥ थपापिणीस्वयावभन ॥ कवाङ्गायासिथवान ॥ उलसजि
मनेद ॥ थत्रजिमनेदवाह ॥ थवेलस ॥ नवनाजन ॥ मामनसमक्ष
लयादाव ॥ हागनर्कधर्क ॥ पिथिवीसदक्कावाक्कापनिमनुयादाव
वक्कावर्कधर्क x

वानकनक्षत्र॥ धन॥ कपिलवाक्रदा॥ सृजनवनयादवत्र॥ लीसलि
रुठाहावाव॥ धन॥ धर्कस्वनदासी॥ सिना॥ ल्वद्धंवा॥ स्यादगया
नो॥ धर्क॥ वाक्रदावधालदासी॥ धनपापिनीनक्षत्र॥ ऊरुष्य॥ स्वस्मान
पत्रभेद्वरीधर्म॥ निदायादान॥ अथधेश्वर॥ अयापगथमूक्रियाय
कृष्णकल॥ राजविष्णयश्वरसा॥ अगविरुयहयकनधर्कयाथनाया

न॥ धनकपिनवाक्रनसी॥ आसागमननाधर्कहादगाथव॥ वन॥ नव
नाजकं॥ नयाव॥ लिहावत्र॥ पापिनीन॥ हादहया॥ लूमदाव॥ आयम
कानाव॥ लिसासीवाड॥ धनग्वमाश्वनखदाव॥ दू॥ दू॥ वाक्रदा॥ द्वायल
ददाधर्क॥ धनदासी॥ वाक्रदावधाल॥ खवरथ॥ पापिनीकृष्णनहा
दहव॥ लूममदावधायमकानाधर्कधन॥ धनग्वमाश्वयाग॥ गया

गुलिविस्मयले, कपिलवाम्नागकायाव, राजवासीवले, धन
लिव, उर्थ्यापनदेवले, धकपिलवाम्नागविहाववखडाव, ऊन
हवनाधर्क, यापिनीनानसुगनकाये, धखसमसिकडाव, औठवया
जूनवियाव, छयापिनीन, खानमसिस्थानमनव, स्वस्थानयनम
ध्वनीधर्मदेवाधर्कहागठगाथाव, वन, वाक्कागयाखडडाव.

ग्वलग्वलगुनाव, वडाव, खालसियाव, नगडावलम, जूनन, न
लिहल, धनलिपुर्नधर्कपाल, रुसनपस्यवने, धनयापिनी, अ
तिकरुखवायाव, धमधमधमधीजयाग, धनयासयनिसिन्धयाव
धर्मवगजान, सिपूकीसिकूक, जूयापनिधर्मदेवाले
यापिनीनीनसाये, धर्मदेवनवने, हिवलेखनमधकायाव.

धर्ममयाहलदा॥ दलमाधरुनी॥ धर्मदनधनकाव॥ अतिथिवा
या॥ रुद्रगन॥ धनयनसक॥ द्वाकरसवायकल॥ ध्वजतिथि
जिमनद॥ वास्यवादा॥ नागन॥ नागिनीन॥ ययावाक॥ नागिनीना
गनयपात्रावाव॥ नागन॥ हादावनमायाव॥ कुंजहादाथ॥ ध्वध
र्मददद्री॥ हानमालधर्क॥ अतिथिवाविल॥ पापिनिमिमाकस

वादाव॥ धनपालनयाग॥ ध्वधर्मयापरावन॥ स्वस्थनयनमध्व
नी॥ यसनरुयाव॥ हलाशुदिनयाव॥ द्वायासिनीसुन्दरीयादवा
न॥ ध्ववल॥ सजनलेवदवाक्रदावकंदाव॥ हनीरल्यायनिष्ठायाव
कायकलकायाव॥ धनसिधुयागयादाव॥ द्वायसिखसीईकायाव॥
सुषसीपदन॥ नायककनपेवान॥ म्नीपूत्रमहादावविद्यागा॥ ध्वध

भयारुलन॥ लूँ६॥ डाहाखाल॥ धिऊलवहुलि॥ शागुडि दाल॥ सादा
नयाहायून्धनार्गे॥ अन्नदानयाहायून्ध॥ वसुदानयाहायून्ध॥ कन्या
दानयाहायून्ध॥ शालकिं किधिक॥ गच्छिदानयाहायून्ध॥ अष्टमध
ऊरु॥ नायसूयऊरु॥ धनरुलनाहाव॥ स्वर्गस॥ शनिर्वृन्दसर्वे वा
दार्थं रागियादं वानिव॥ धनराखनहाकाके॥ दंडके॥ पनगवस

उमामरुध्वनकलान॥ कोलाहासरुगियादं वानिव॥ ७॥ ॥
पा॥ वीग्विनममुत्थि॥ नमोऽस्मिदि रुवोरुनी॥ खगुगकधनदवी॥ मूर
यमूल्यलसुधा॥ शकलसहिगदव॥ स्वस्थानीवनममुत्थ॥ ॥
॥ ॥ शुभसर्वदा॥ ॥ सिम्भन॥ १४४॥ सेवक नसवाह॥ इत्येवास्मि
विया॥ धर्मरुलि॥ पूनयायासानयहवजाचय्येदीनेत्तमनी

रक्षापत्रयागं या हाथरुन किनयायापरिपाग वास्ये
 गया रुना ॐ नु गाजाद वयपरिपागय का या
 रक्षया ॐ नु मविन य ॥
 क्रगुथियस्यन केकमव नय कुलमान पाक कन
 रजाकिचगाक्षनाम इ बहानकन स थलिनपीय
 रधजाकिमन के विगनथ न सापायनाकक यात
 पिवमाहापोप दवया निगुरु ॥